

ब्रश्टाचार



Bangani

ब्रश्टाचार

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



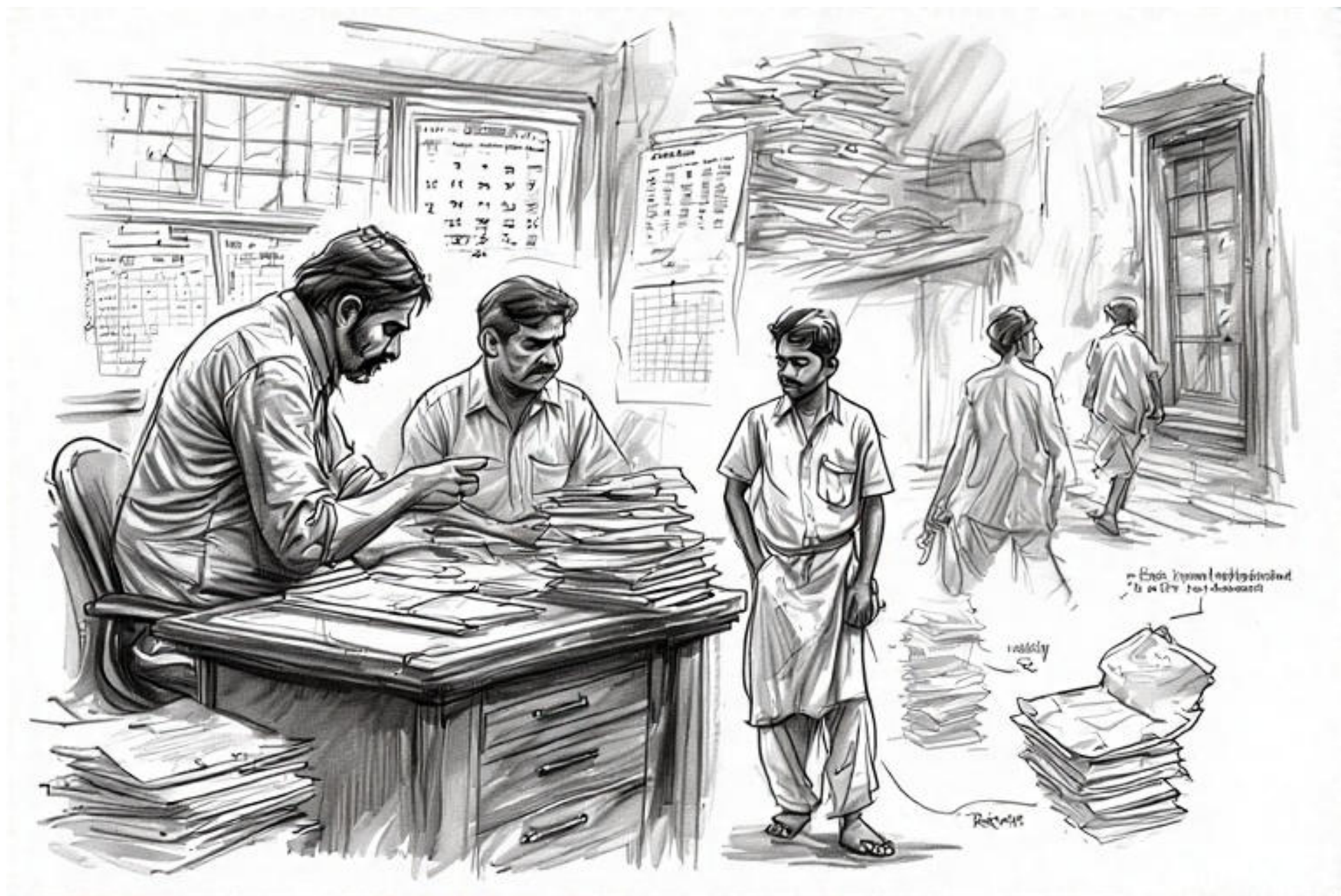
एक गाउँ दि रमेश आपडै पौरिबार रै
साथै रौयै थौ। सेउ एक बौडौ ईमानदार
किसान थौ। सेउ मैनती कौइ आपडौ
जीवन जियै थौ।



एक दूसर रमेशेइ आपड़ौ डोखरेदि एक
गौर चाणनै रौ बिचार कियौ । तेसखि
तेस स्थानीय नगर पालिका कौइ
अनुमति जा थी गिणनी ।



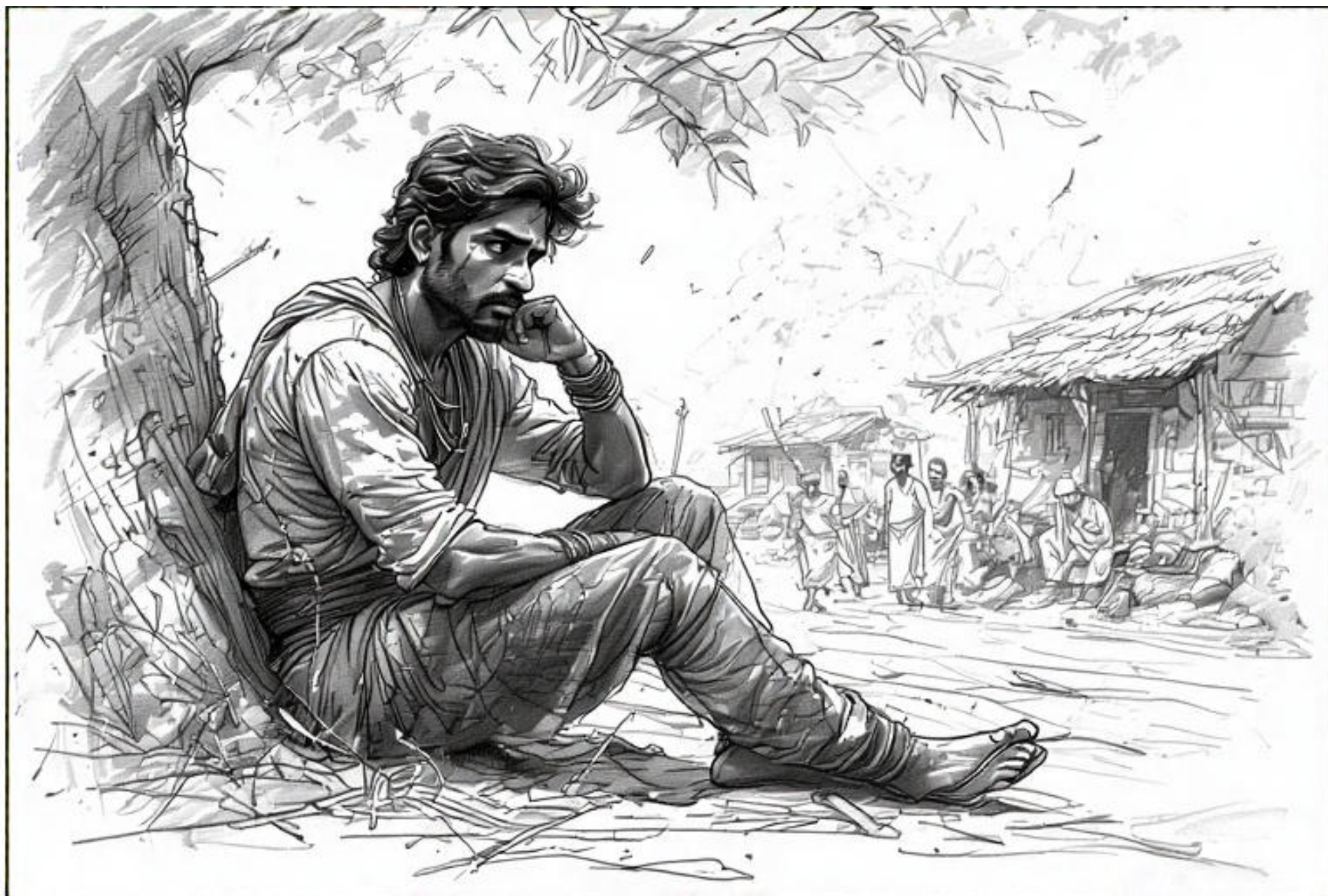
नगर पालिका कार्यालय दि,
औदिकारिएइ रमेश आरी बोलौ, ईं
फाइलेइ औगौउं बौड़ाणे खि कुछ
खोच्रौं लागै लौ। रमेश सौमज़ी गोओ थौ
कि एउ रिश्वत रौ मांगदै लागी।



रमेशेइ रिश्वत देणने खि बिलकुल साफ
मौना देणी कौरी, औज़ि सेउ एशौ सुँचदै
लागौ कि एउ काम बिना रिश्वत देइयौ
पोरु औयै लौ। पर तेसरी फाइल बौरी
मीनऔउं ज़ौउं तेथिकै रौइ तिंदि कौइ बी
काम ना उवौ।



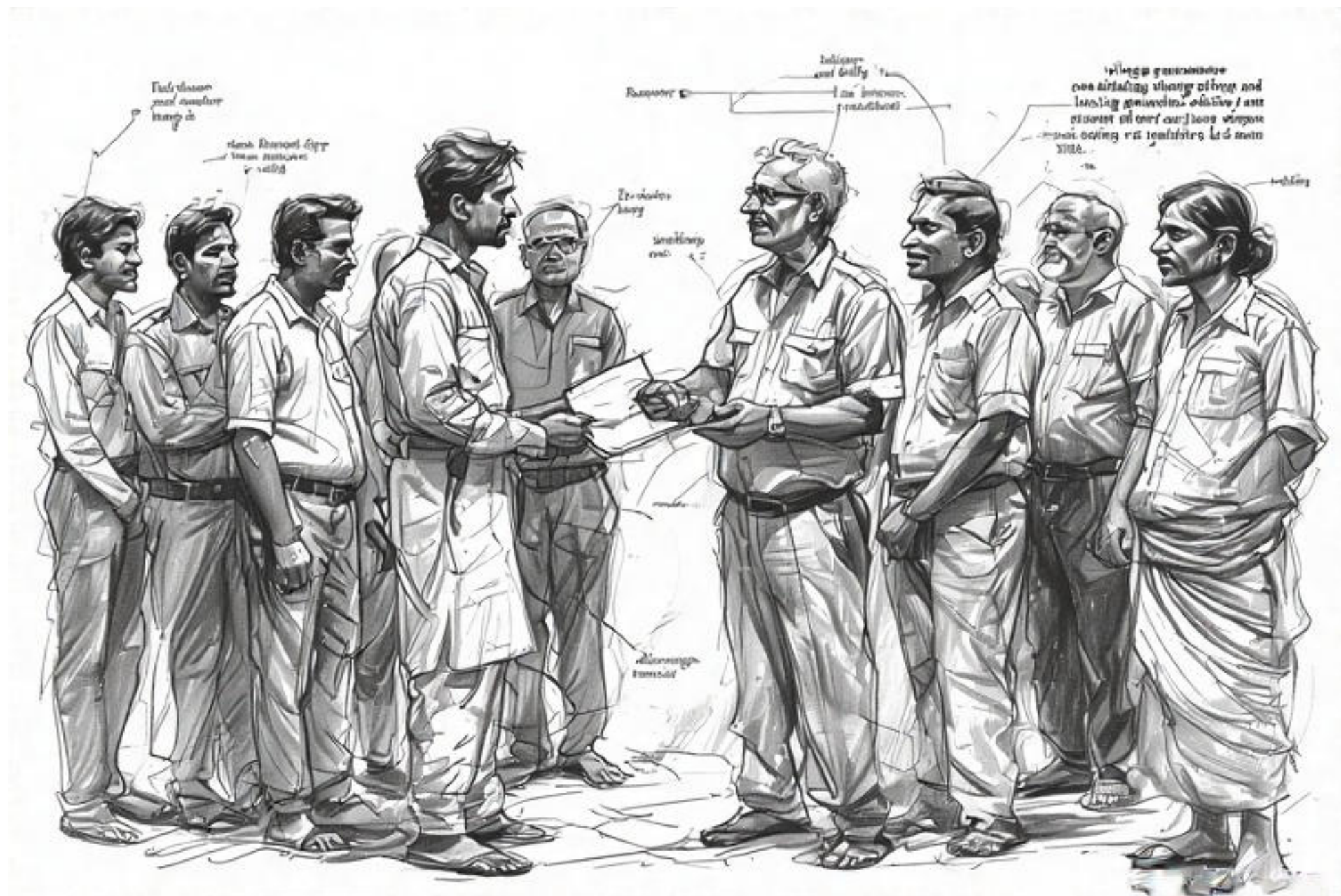
कुछ दूस बासियै रमेशेइ देखौ कि तेसरै
पोड़ोसी मोहन रौ गौरै रौ काम फौटा
फौट रौ औन्दै लागी। मोहनेइ बोलौ कि
मुंइ औदिकारिउं कै रिश्वत देणी एजि
बौजै कौइ मेरौ एउ काम सौकाळी उवौ।



तैबै रमेशेइ सुँचौ कि ईमानदारी कौइ
काम कौरणौ बौड़ौ मुश्किल उइ गोऔ।
तैबै तिणी एशौ ठानौ कि आउँ ब्रश्टाचार
रै खिलाफ आवाज़ उठाउ लौ।



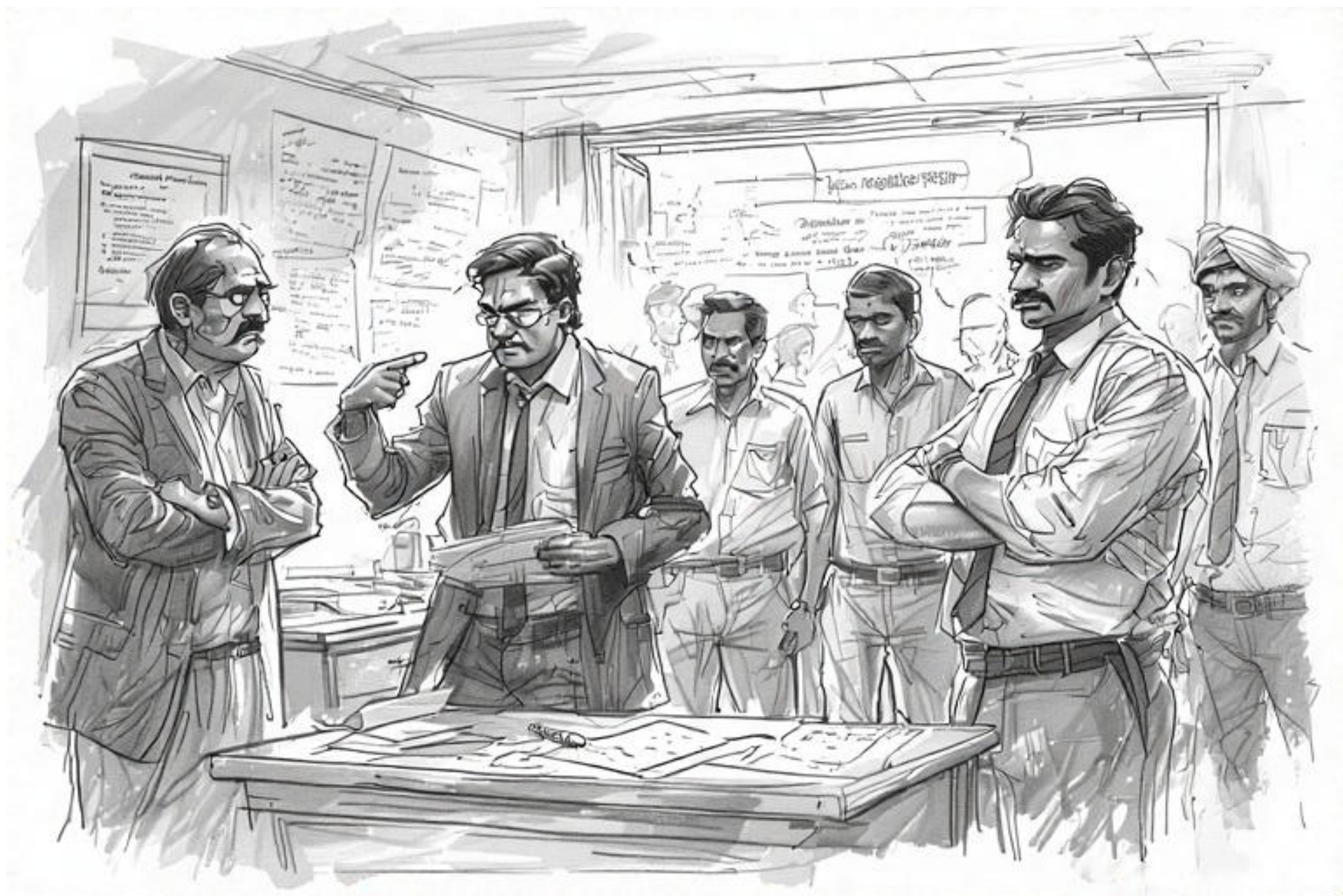
रमेशेइ आपड़े गाउँ रै लोगु रै साथै
मिलियौ एक समिति चाणी। ईं समिति री
उद्देश्य ब्रश्टाचार रै खिलाफ लौड़नौ
औज़ि लोगु तिउँरै औदिकारु खि
जागरूक कौरनौ थौ।



समितिएइ स्थानीय प्रशासन कौइ
मिलियौ आपड़ी सारी पौरेशानी बोली ।
तिउं औदिकारिउं कौइ ईमानदारी कौइ
काम कौरणे री मांग की ।



औगौणिके तै औदिकारिउं तिउंरी बुशै
अनशुणी की। पर जौ तीं समितिइ
मीडिया रौ सारौ नियौ तै सेउ सारौ
मामलौ सारिउं रै साथै एकजेशौइ उवौ।



मीडिया दि खबर आपै बासियै, बौडै
औदिकारिउं मामले री जाँच कौरणै रौ
आदेश देणौ। रिश्वत निणै वाळै
औदिकारी सारै नौकरी कौइ पोरु गाड़ै।
औज़ि रमेश री फाइल खि बी मंजूरी
मिली गोइ थी।



एज़ि गौटना बासियै गाउँ रै लोग औज़ि
बी जागरुक औन्दै लागै, औज़ि गाउँ दि
काफी बौदलाव बी उवौ। ऐबै गाउँ रै
लोगु बी एशौ सौमज़ी गोओ थौ, कि
एकज़ुट उइयौ आमैं ब्रश्टाचार रै
खिलाफ आवाज़ उठाइ सौकिण।



रमेशेइ औज़ि समितिएइ एशौ साबित
कौरी गोऔ थौ कि ईमानदारी औज़ि
साहस कौइ आमैं आपड़ै सौमाज़ दि
बौदलाव आणी सौकिण, तिउंरी कांऽणी
एत्रा बी लोगु उत्साहित कौरै।

सवाल

सवाल 1. का तुमु केत्रा एशेशौ ब्रश्टाचार रौ सामणौ कियौ?

सवाल 2. अगर तुमै रमेश री ज़ागा दि औयैण थै, तै तुमै ब्रश्टाचार रौ सामणौ कौरणे खि का कौरैण थै?

सवाल 3. आपड़ौ समुदाय रै बिचै कौइ ब्रश्टाचारेइ कम कौरणे खि तुमै का कौरी सौकैण?

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

